औद्योगिक व व्यावसायिक प्लाट के लिए लगेगी बोली

झांसी, गाजियाबाद, अमेठी अयोध्या, कानपुर समेत कई जिलों में प्लाट की होगी नीलामी

167 प्लाट की दो चरणों में होगी नीलामी, यूपीसीडा ने शुरू की प्रक्रिया

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) ने प्रदेश में आर्थिक व औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए मेगा ई-आक्शन की पहल की है। इसमें मुख्य औद्योगिक क्षेत्रों के साथ ही उपेक्षित क्षेत्रों को भी प्रमुखता दी गई है। दो चरणों में अपनाई जाने वाली नीलामी की प्रक्रिया के तहत कुल 167 प्लाट के लिए बोली लगने की उम्मीद है। जिन जिलों से संबंधित औद्योगिक क्षेत्रों के लिए नीलामी प्रक्रिया शुरू होनी है उनमें झांसी, गाजियाबाद, अमेठी, अयोध्या, अलीगढ़, बरेली, संभल, हमीरपुर, शाहजहांपुर, मथुरा, बागपत, हापुड़, प्रयागराज, सहारनपुर, हरदोई, आगरा, कानपुर, ट्रांस गंगा सिटी उन्नाव, एटा, हरदोई, बाराबंकी व मेरठ प्रमुख हैं।

यूपीसीडा की ओर से मेगा ई-आक्शन की प्रक्रिया को दो चरणों में पूरा किया जा रहा है। पहले चरण के तहत 20 नवंबर को 114 औद्योगिक प्लाट के लिए नीलामी की प्रक्रिया अपनाई जाएगी, जबकि दूसरे चरण में 29 नवंबर को 53 औद्योगिक व व्यावसायिक प्लाट के लिए बोली लगेगी। ई-आक्शन के तहत 200 वर्ग मीटर के छोटे प्लाट के लिए बोली लगाने के साथ ही शाहजहांपुर के 62474.70 वर्ग मीटर के इंडस्ट्रियल प्लाट के लिए भी नीलामी प्रक्रिया अपनाई जाएगी। शाहजहांपुर के जीसी इंडस्ट्रियल एरिया में स्थित इस प्लाट को सबसे बड़ा भूखंड माना जा रहा है जिसका आरक्षित मूल्य 8.88 करोड़ रुपये रखा गया है। वहीं, ट्रांस गंगा सिटी उन्नाव के इंडस्ट्रियल एरिया सेक्टर-1 के प्लाट का इस्तेमाल पेट्रोल-सीएनजी पंप की स्थापना के लिए किया जाएगा। ई-आक्शन में विशेष तौर पर बुंदेलखंड में औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए खास तौर पर फोकस किया गया है।

यूपी में पूरा हुआ ईस्टर्न और वेस्टर्न फ्रेट कारिडोर का निर्माण

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : उत्तर प्रदेश में ईस्टर्न और वेस्टर्न फ्रेट कारिडोर का निर्माण कार्य पूर्ण हो गया है। मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र के साथ शुक्रवार को डेडिकेटेड फ्रेट कारिडोर कारपोरेशन आफ इंडिया लिमिटेड (डीएफसीसीआइएल) के अधिकारियों की हुई बैठक में यह जानकारी साझा की गई। मुख्य सचिव ने कहा कि ईस्टर्न कारिडोर का सबसे बड़ा हिस्सा उत्तर प्रदेश में होने का लाभ प्रदेश के छोटे-बड़े उद्योगों को मिलेगा। मालगाड़ियों के लिए रेल लाइन अलग होने से उनकी रफ्तार बढ़ेगी, जिससे माल ढुलाई में कम वक्त लगेगा। ईस्टर्न फ्रेट कारिडोर की लंबाई 1337 किमी (सानेहवाल, पंजाब से सोननगर, बिहार तक) तथा वेस्टर्न कारिडोर की लंबाई 1506 किमी है। ईस्टर्न कारिडोर का यूपी में 1097 किमी हिस्सा है, जबकि वेस्टर्न का 19 किमी है, जिसका शत-प्रतिशत कार्य पूरा हो गया है। इस परियोजना पर लगभग 34,200 करोड़ रुपये का व्यय किया गया है।